देश में एनआइटी, आइआइएम अव्वल

एनआइआरएफ रैंकिंग ● राष्ट्रीय स्तर पर रायपुर एनआइटी को 64वां, आइआइएम को 15वां स्थान मिला

रायपुर (नईदुनिया प्रतिनिधि)। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआइआरएफ) 2021 के परिणाम जारी कर दिए हैं। इंजीनियरिंग के क्षेत्र में इस बार छत्तीसगढ़ से नेशनल इंस्टीट्यूट आफ इंजीनियरिंग (एनआइटी) 44.83 स्कोर के साथ 64वें स्थान पर है। इसके पहले एनआइटी 2020 में 67वें, 2019 में 74वें और 2018 में 81वें नंबर पर था। इंडियन इंस्टीट्यूट आफ मैनेजमेंट रायपुर (आइआइएम) 62.12 स्कोर के साथ 15वें नंबर पर है। पिछले 2019 और 2020 में लगातार आइआइएम 19वें नंबर पर रहा है। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान की ओर से गुरुवार को जारी रैंकिंग में प्रदेश के शिक्षण संस्थानों ने सुधार करते हुए यह उपलब्धि हासिल की है। कई पैमानों पर दोनों संस्थानों ने सुधार करते हुए पिछले साल की अपेक्षा बेहतर प्रदर्शन किया है।

टाप 100 में राज्य का कोई विवि नहीं: एक बार फिर विश्वविद्यालयों की सूची में टाप 100 में राज्य से कोई विश्वविद्यालय नहीं है। इसके अनुसार पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय और कलिंगा विश्वविद्यालय को रैंक बैंड 151-200 के बीच रखा गया है। वहीं कालेजों को कोई जगह नहीं मिली है। ए ग्रेड के रविवि को 2020 में 101 से 150 रैंक बैंड के भीतर रखा गया था, 2019 में यह रैंक बैंड 151 से 200 रैंक के बीच था।

रविवि की फार्मेसी पिछड़ी: फार्मेसी संस्थानों में पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय का फार्मेसी संस्थान 39.33 स्कोर हासिल कर देश भर में 71वें नंबर पर है। फार्मेसी संस्थानों की सूची में रविवि की फार्मेसी पिछली बार साल 2020 में 59वां स्थान मिला था और 2019 में 48वीं रैंक थी। वहीं गुरु घासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय 45.64 स्कोर के साथ 42वें नंबर पर है।

रायपुर आइआइएम और एनआइटी की फाइल फोटो। ● नईदुनिया

रैंकिंग कई मापदंडों के आधार पर हासिल की जाती है, जैसे - शिक्षण- शिक्षण और संसाधन, अनुसंधान और व्यावसायिक अभ्यास, स्नातक परिणाम, आउटरीच और समावेशिता और संस्थान की धारणा आदि, इसमें एनआइटी में सुधार हुआ है। -**डा. एएम रावाणी**, निदेशक, एनआइटी

पहले आवेदक कम थे, अभी आवेदकों की संख्या बढ़ गई है। अभी फार्मेसी के संस्थान भी लगातार बढ़ रहे हैं, इसलिए रैंक कम हुआ है। यहां फैकल्टीज की कमी से रिसर्च कम हो रहे हैं, विवि की स्थिति को सुधार करेंगे। - **डा. केशरीलाल वर्मा**, कुलपति, पं. रविवि

संस्थान में रिसर्च का दायरा लगातार बढ़ा है। कोरोना काल में भी आइआइएम रायपुर में विद्यार्थियों के प्लेसमेंट पैकेज में भी इजाफा हुआ है। नए कोर्सेस लांच हुए। कई नये तरीकों को अपनाकर गुणवत्ता में सुधार किया गया है। -**डा. भरत भास्कर**, निदेशक, आइआइएम, रायपुर

उच्च संस्थानों में आइआइटी मद्रास शीर्ष पर

नई दिल्ली(ब्यूरो)। उच्च शिक्षण संस्थानों के शैक्षणिक प्रदर्शन के आधार पर शिक्षा मंत्रालय ने गुरुवार को नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआइआरएफ) की इंडिया रैंकिंग, 2021 जारी की। जिसमें भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी), मद्रास ने एक बार फिर परचम लहराया है। संस्थान ने ओवरआल कैटेगरी में शीर्ष पर जगह बनाई है।

इस कैटेगरी में दूसरे स्थान पर इंडियन इंस्टीट्यूट आफ साइंस (आइआइएससी) बेंगलुरु, तीसरे स्थान पर आइआइटी बांबे, चौथे स्थान पर आइआइटी दिल्ली और पांचवे स्थान पर आइआइटी कानपुर है। इस ओवरआल कैटेगरी के टाप-10 में जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) और काशी हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) ने भी जगह बनाई है। जेएनयू नौवें तो बीएचयू दसवें स्थान पर है। पिछले साल की रैंकिंग में भी ओवरआल कैटेगरी में आइआइटी, मद्रास शीर्ष पर था।

छह हजार संस्थानों ने लिया हिस्सा: खास बात यह है कि इस साल की एनआइआरएफ रैंकिंग प्रतिस्पर्धा में देशभर के करीब छह हजार शिक्षण संस्थानों ने हिस्सा लिया था। जबकि देश में मौजूदा समय में उच्च शिक्षण संस्थानों की संख्या करीब 50 हजार है। इनमें करीब 42 हजार अकेले कालेज ही हैं।

लहराया परचम

- केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने जारी की एनआइआरएफ रैंकिंग
- ओवरआल कैटेगरी में आइआइटी दिल्ली एक पायदान नीचे खिसक कर चौथे स्थान पर, टाप-10 में जेएनयू 9वें व बीएचयू 10वें स्थान पर
- इस बार 11 कैटेगरी में जारी हुई रैंकिंग, रिसर्च की नई कैटेगरी में आइआइएससी, बेंगलुरु ने मारी बाजी

शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ● फाइल फोटो

रैंकिंग के ये हैं मापदंड

एनआइआरएफ रैंकिंग को आंकने का जो फार्मूला तैयार किया गया है, उनमें टीचिंग लर्निंग एवं रिसोर्स, रिसर्च एंड प्रोफेशनल प्रैक्टिस, ग्रेजुएशन आउटकम, आउटरीच एंड इनक्लूसिटीविटी और परसेप्शन आदि शामिल हैं। इस बार कोरोना संक्रमण के खतरे को देखते हुए सभी संस्थानों से इससे जुड़ी जानकारी आनलाइन मंगाई गई थी। साथ ही इसे तैयार करने में थर्ड पार्टी की भी मदद ली गई। कोरोना संकट के चलते इस बार रैंकिंग जारी करने में कुछ देरी भी हुई।

विवि कैटेगरी में भी टाप पर आइआइएससी, बेंगलुरु

एनआइआरएफ की इंडिया रैंकिंग, 2021 में विश्वविद्यालय, कालेज, इंजीनियरिंग, मेडिकल, फार्मेसी, डेंटल, ला, मैनेजमेंट और आर्किटेक्चर की भी कैटेगरी जारी की गई है। इसमें विवि की कैटेगरी में आइआइएससी, बेंगलुरु पहले स्थान पर है, जबकि दूसरे स्थान पर जेएनयू, तीसरे स्थान पर बीएचयू, चौथे पर कलकत्ता विश्वविद्यालय और पांचवे स्थान पर अमृता विश्व विद्यापीठम तमिलनाडु है।

कालेजों में मिरांडा हाउस पहले स्थान पर

कालेजों की कैटेगरी में पहले स्थान पर दिल्ली का मिरांडा हाउस है, दूसरे स्थान पर दिल्ली का ही लेडी श्रीराम कालेज आफ वूमेन, तीसरे स्थान पर लोयोला कालेज चेन्नई, चौथे पर सेंट जेवियर्स कालेज कोलकाता और पांचवें स्थान पर रामकृष्ण मिशन विद्यामंदिर, हावड़ा है।

Naidunia 10th Sep. 2021,p. 1